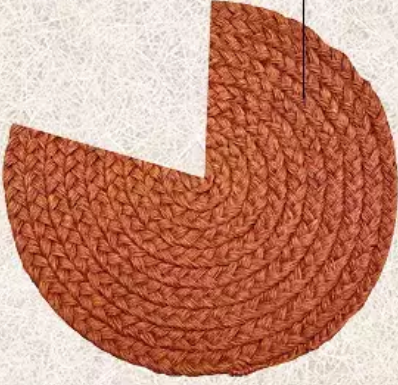




## IN A NUTSHELL

# 80%

India's share of global coir fibre production



## 9 lakh tonnes

Coir fibre produced in the country every year

## 7.5 lakh tonnes

Coir fibre exported from India to China annually



## 22,000

Units involved in coir activities spread across 14 states



## 10 lakh

People employed directly/indirectly by the industry



## ₹4,000cr

Value of coir and related products exported annually

## महत्वः

- **रोज़गारः**
  - नारयिल उत्पादक राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में कॉयर उद्योग 7 लाख से अधिक लोगों को रोज़गार प्रदान करता है।
    - दलितसभ बात यह है कि इनमें से 80% कारीगर महिलाएँ हैं, लेकिन इसका उत्पादन अब तक देश के दक्षिणी नारयिल उत्पादक राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों तक ही सीमित है।
- **नरियातः**
  - वर्ष 2020-21 के दौरान भारत से कॉयर और कॉयर उत्पादों के नरियात ने पिछले वर्ष की तुलना में 1021 करोड़ रुपए से अधिक की वृद्धि के साथ 3778.98 करोड़ रुपए का अब तक का उच्च रिकॉर्ड दर्ज किया है।
- **घरेलू खपतः**
  - दुनिया भर में सालाना उत्पादित कॉयर फाइबर की 50% से अधिक खपत मुख्य रूप से भारत में ही होती है।
  - पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों के प्रति बढ़ती जागरुकता ने घरेलू और वदेशी बाजारों में कॉयर एवं कॉयर उत्पादों की मांग में वृद्धि की है।
- **पर्यावरण के अनुकूलः**
  - कॉयर उत्पाद प्रकृति में पर्यावरण के अनुकूल हैं और भारत के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, द्वारा इसे "इको मार्क" से प्रमाणित किया गया है।
  - कॉयर उत्पाद पर्यावरण को बचाते हैं और ग्लोबल वार्मिंग को कम करने में मदद करते हैं।
  - मृदा के कटाव को रोकने के लिये कॉयर जियो टेक्सटाइल्स के उपयोग, कॉयर पथि (Coir Pith) को एक मूल्यवान जैव-उर्वरक और मृदा कंडीशनर में बदलने तथा कॉयर गार्डन उत्पाद जैसे कॉयर के नए अंतिम उपयोग अनुप्रयोगों ने भारत व वदेशों में लोकप्रियता हासिल की है।

## कॉयर से संबंधित कुछ भारतीय पहलें:

- **कॉयर जियो टेक्सटाइलः**

- कॉयूर जयिो टेकसटाइल प्राकृतिकि रूप से सडन, गलन और नमी के लयिे परतरिधी हैं और कसिी भी माइक्रोबयिल हमले से मुक्त होते हैं, इसलयिे इसे कसिी रासायनकि उपचार की आवश्यकता नहीं होती है।
- **कॉयूर उद्यमी योजना:**
  - कॉयूर उद्यमी योजना 10 लाख रुपए तक की परयोजना लागत और कार्यशील पूंजी के एक चक्र के साथ कॉयूर इकाइयों की स्थापना के लयिे एक क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी योजना है, जो परयोजना लागत के 25% से अधिक नहीं होगी। यह योजना कॉयूर बोर्ड द्वारा क्रयानवति की जा रही है।
- **कॉयूर वकिस योजना:**
  - यह योजना घरेलू और नरियात बाज़ारों के वकिस, कौशल वकिस एवं प्रशकिषण, महिलाओं के सशक्तीकरण, रोजगार/उद्यमति, नरिमाण और वकिस, कच्चे माल के उपयोग में वृद्धि, व्यापार से संबंधति सेवाओं, कॉयूर शर्मकिों के लयिे कल्याणकारी गतविधियिों आदिकी सुवधिा प्रदान करती है।
  - यह कार्य नमिनलखिति 6 योजनाओं के माध्यम से कयिा जाता है:
    - कौशल उन्नयन और महिला कॉयूर योजना
    - नरियात बाज़ार संवर्द्धन (EMP)
    - उत्पादन अवसंरचना का वकिस (DPI)
    - घरेलू बाज़ार संवर्द्धन (DMP)
    - व्यापार और उद्योग से संबंधति कार्यात्मक सहायता सेवाएँ (TRIFSS)
    - कल्याणकारी उपाय (समूह वयक्तगित दुर्घटना बीमा योजना)

## आगे की राह

- कॉयूर में अपार संभावनाएँ हैं, यह देश के [सकल घरेलू उत्पाद \(GDP\)](#) में MSME के हसिसे और नरियात को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिा सकता है।
- कॉयूर 'अपशष्टि से धन' का एक अच्छा उदाहरण है, यह पर्यावरण के अनुकूल है क्यौंक यह जल और मृदा के संरक्षण हेतु स्थायी समाधान प्रदान करता है।

## स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/indian-coir-industry>

